‘डॉ. पी.के. गोडे’-स्मारक अज्ञात-कृति अन्वेषण पुरस्कार

अज्ञात एवं दुर्लभ ग्रन्थों की हस्तलिखित प्रतियों के संरक्षण, संवर्धन तथा उनके अन्वेषण, पाठालोचन, सम्पादन तथा प्रकाशन आदि के प्रति वर्तमान संस्कृत-शोध एवं अनुसन्धान की प्रत्यक्ष धारा को आकृष्ट करने तथा उसे प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित यह पुरस्कार, प्रत्येक वर्ष ‘प्रत्नकीर्ति’ में प्रकाशित तथा चयनित किसी एक विशिष्ट लेख -

जो संस्कृत-वाङ्मय अथवा हिन्दी-साहित्य की अज्ञात-कृतियों की हस्तलिखित प्रति से सम्बन्धित हों,

- को प्रदान किया जाएगा।

नोट् -

1. लेखों का चयन सम्पादक-मण्डल, ‘प्रत्नकीर्ति’ तथा अखिल भारतीय मुस्लिम-संस्कृत संरक्षण एवं प्राच्य शोध संस्थान, वाराणसी के सम्मानित सदस्यों द्वारा किया जाएगा।
2. पुरस्कार-संचालक विद्वान् यदि स्वयं भी ‘प्रत्नकीर्ति’ में प्रकाशित हो रहे हों तो वे अपने शोधपत्रों के लिए, स्वयं द्वारा ही घोषित पुरस्कार के पात्र नही होंगे।
3. चयन के सन्दर्भ में सम्पादक-मण्डल, ‘प्रत्नकीर्ति’ का निर्णय सर्वमान्य होगा।
4. चयन का परिणाम ऑन-लाइन घोषित होगा तथा पुरस्कार की राशि भी लेखक को ऑन-लाइन भेजी जाएगी।
5. पुरस्कार में एक हजार रुपये (1000 मात्र) नगद अथवा इतने मूल्य के ग्रन्थ तथा संस्थान द्वारा जारी प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।
6. शोध-पत्रों की अनुपलब्धता अथवा उपयुक्त शोध-पत्र प्राप्त न होने की दशा में पुरस्कार निरस्त किया जा सकता है।
7. समस्त विवादों का निस्तारण-क्षेत्र वाराणसी होगा।

(यह पुरस्कार **डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, प्रवक्ता-संस्कृत, कृषक उपकारक इण्टरमीडिएट कॉलेज, सदरपुर, मतलबपुर, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत** द्वारा घोषित वार्षिक वित्तीय सहयोग से प्रदेय है।)